संख्या-431/2017/262/22-2-2017-17(77)/2017

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 14 जून, 2017

विषय:- केन्द्रीय कारागार, नैनी, इलाहाबाद में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अमरनाथ पुत्र श्री बिरजू, निवासी जनपद-अमेठी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्यालय कारागार के पत्र संख्या-44244-359/प्रोबेशन-3/2016 (एम 17.11.2016) दिनांक-16.12.2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र दिनांक 16.12.2016 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार सिद्धदोष बन्दी अमरनाथ पुत्र श्री बिरजू, ग्राम-पूरे शुकुलन, थाना-शिवरतनगंज, जनपद-रायबरेली वर्तमान अमेठी का निवासी है। बन्दी ने पुरानी रंजिश में दिनांक 29.04.1998 की रात्रि 08.00 से 09.00 बजे के मध्य बन्दी ने प्रेमादेवी नामक लडकी की बलात्कार किये जाने का प्रयास किया, विरोध करने पर उसका मुंह व नाक दबाया, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-661/1998 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-363, 376, 302, 201 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफ0टी0सी0 कक्ष सं0-02, रायबरेली के आदेश दिनांक 28.01.2003 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 11.11.2016 तक 16 वर्ष 03 माह 01 दिन की अपरिहार तथा 20 वर्ष 10 माह 05 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 05 बिन्दु की आख्या में भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, परिवार की सामाजिक/आर्थिक स्थिति उपयुक्त् न होने के कारण समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, रायबरेली ने बन्दी के अभिभावक को उपयुक्त बताते हुए बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड ने अभिमत में कहा गया है कि बन्दी ने पुरानी रंजिश में दिनांक 29.04.1998 को प्रेमा देवी से बलात्कार का प्रयास का विरोध करने पर मुंह व नाक दबाकर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, परिवार की सामाजिक/आर्थिक स्थिति उपयुक्त न होने

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

की पुष्टि जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 05 बिन्दु की आख्या में की है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अमरनाथ पुत्र श्री बिरजू, निवासी जनपद-रायबरेली वर्तमान अमेठी को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी अमरनाथ (बन्दी संख्या-339/03) पुत्र श्री बिरजू, निवासी जनपद-रायबरेली वर्तमान अमेठी के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-431/2017/262(1)/22-2-2017 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, अमेठी।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी, इलाहाबाद।

3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-431/2017/262@22-2-2017-17(77)/2017

दिनांक 14 जून, 2017 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

केन्द्रीय कारागार, नैनी, इलाहाबाद में निरूद्ध अमरनाथ (बन्दी संख्या-339/03) पुत्र श्री बिरजू, ग्राम-पूरे शुकुलन, थाना-शिवरतनगंज, जनपद-रायबरेली वर्तमान अमेठी का निवासी है। बन्दी ने पुरानी रंजिश में दिनांक 29.04.1998 की रात्रि 08.00 से 09.00 बजे के मध्य बन्दी ने प्रेमादेवी नामक लडकी की बलात्कार किये जाने का प्रयास किया, विरोध करने पर उसका मुंह व नाक दबाया, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-661/1998 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-363, 376, 302, 201 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफ0टी0सी0 कक्ष सं0-02, रायबरेली के आदेश दिनांक 28.01.2003 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 11.11.2016 तक 16 वर्ष 03 माह 01 दिन की अपरिहार तथा 20 वर्ष 10 माह 05 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 05 बिन्दु की आख्या में भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, परिवार की सामाजिक/आर्थिक स्थिति उपयुक्त न होने के कारण समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, रायबरेली ने बन्दी के अभिभावक को उपयुक्त बताते हुए बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड ने अभिमत में कहा गया है कि बन्दी ने पुरानी रंजिश में दिनांक 29.04.1998 को प्रेमा देवी से बलात्कार का प्रयास का विरोध करने पर मुंह व नाक दबाकर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में पुन: अपराध की सम्भावना होने, बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, परिवार की सामाजिक/आर्थिक स्थिति उपयुक्त् न होने की पुष्टि जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने 05 बिन्दु की आख्या में की है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अमरनाथ पुत्र श्री बिरजू, निवासी जनपद-रायबरेली वर्तमान अमेठी को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई **अस्वीकार** किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in